खेलो और जानो
बाल श्रम को पहचानो

उपयोगकर्ता गाइड

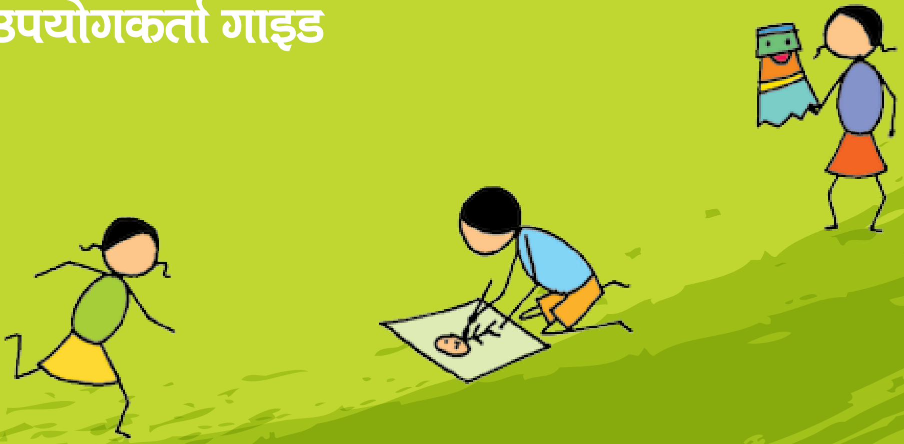

बाल मज़दूरी मिटे वहां - पूरी हो शिक्षा जहां

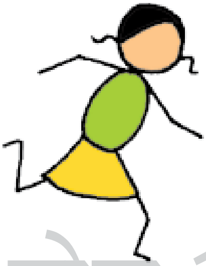

खेल 1

इनाम या दंड - गोलों में बंद

लक्षित समूहः

यह खेल 10–18 वर्ष तक के बच्चों (स्कूल जाने वाले/न जाने वाले) के साथ खेला जा सकता है। यह खेल चार बच्चे एक बार में खेल सकते है या आठ बच्चे भी दो अलग–अलग टीम में इसे खेल सकते हैं।

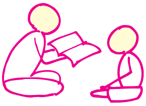

फैसिलिटेटर (सुगमकर्ता):

मीना मंच/किशोरियों के समूह के सदस्य और एनजीओ सदस्य।

उद्देश्यः

बच्चों को मज़ा करने के लिए मनोरंजन का और शारीरिक गतिविधि में शामिल होने का मौका मिलता है; साथ ही साथ वह बाल श्रम के रोकथाम/उन्मूलन के बारे में ज़रूरी संदेश भी सीख सकते हैं।

आवश्यक सामग्रीः

- गोला बनाने के लिए चॉक/लकड़ी
- पत्थर (गोले में फैकने के लिए)
- दंड और इनाम संदेश कार्ड[1]
- सुगमकर्ता के लिए चित्र, जिससे यह पता चले कि 12 गोलो को जमीन पर कैसे बनाना है (पेज 6 पर चित्र देखें)
- स्कोरिंग शीट (अंक लिखने के लिए)
- खाली कार्ड (बिना लिखा हुआ)
- पैन/पेंसिल

---

[1]दंड/इनाम कार्ड बनाने के लिये कुछ आदर्श संदेश दिये गए हैं। अगर ग्रुप के पास खाली कार्ड और पैन हो, तो फैसिलिटेटर उनसे दंड/इनाम कार्ड बनवा सकता है।

इसके अलावा :

- एक फैसिलिटेटर जो बच्चों के साथ चर्चा करें और खेल के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार हो।
- एक मीना मंच/किशोरी समूह की सदस्य जो खेलने वाले के लिए दंड और इनाम कार्ड पकड़ेगी।
- एक मीना मंच/किशोरी समूह की सदस्य जो स्कोर का हिसाब रखेगी।

अवधारणाः

स्टापू के जरिये बच्चों को बाल श्रम और स्कूल में पढ़ाई जैसे विषयों पर सही और गलत प्रथाओं के बारे में पता चलेगा। (संदेशों के लिए पेज 7–10 देखें)

खेल की प्रक्रियाः

- ज़मीन पर 12 गोले बनाये जायेंगे; हर गोले पर एक से 12 तक नम्बर लिखें, जिसे कक्षा 1 से 12 को दर्शाये। गोले की जगह बदल सकती है या हर खेल के लिए अलग भी हो सकती है।
- एक प्रारंभिक रेखा बनायें। हर खिलाड़ी को इस रेखा के भीतर रह के गोलों में निशाना लगाकर पत्थर फेंकने के लिए कहें।
- यह गोले, चॉक के इस्तेमाल से स्कूल के बरामदे में या फिर छड़ी की मदद से स्कूल की ज़मीन या बाहर मिट्टी में बनायें जा सकते हैं।
- खेल शुरू करने पर, पहला खिलाड़ी निशाना लगाकर पत्थर को 1 नम्बर गोले में डालेगा (पत्थर रेखा को छूना नहीं चाहिए और गोले 1 के बाहर नहीं जाना चाहिए)। अगर पत्थर गोले 1 के अन्दर चला गया, तो

खिलाड़ी भी उस गोले में कूदेगा। अगर पत्थर सही गोले में नहीं गिरा या कहीं और गिर गया, तो वह खिलाड़ी उस दौर में नहीं खेल पायेगा।

- जब खिलाड़ी गोले के अंदर आ जाये, तो उसे एक कार्ड चुनने को कहें। खिलाड़ी, उस कार्ड में लिखे दंड/इनाम संदेश को जोर से पढ़ कर सुनायें।
- यह कार्ड या तो इनाम कार्ड होगा या दंड कार्ड। इसी कार्ड पर खिलाड़ी को सकारात्मक (+) या नकारात्मक (–) अंक मिलेंगे।
- खिलाड़ी नम्बर 1 के अंक, स्कोरिंग कार्ड में लिखे जायेंगे।
- खिलाड़ी नम्बर 1, प्रारंभिक रेखा पर वापस चला जायेगा और खिलाड़ी नम्बर 2 खेल को खेलेगा, इसी तरह खिलाड़ी 3 और खिलाड़ी 4 भी इसे खेलेंगे।
- हर खिलाड़ी गोले में पत्थर फेंकने की अपनी बारी लेगा, दंड या इनाम कार्ड चुनेगा और उसके अंदर लिखे संदेश को ज़ोर से पढ़ेगा।
- जिस खिलाड़ी को कक्षा 12 खत्म करने पर सबसे ज्यादा अंक मिलेंगे, वह विजेता कहलाया जायेगा।

*अगर इस खेल को आठ लोग खेल रहे होंगे तो उन्हें 4 लोगों की दो टीम बनानी होंगी। उसी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए।

अपेक्षित परिणामः

दंड और इनाम कार्ड के माध्यम से, खिलाड़ियों को सही और गलत व्यवहार समझ आयें। खिलाड़ियों को यह भी समझ आये कि अगर वह सही व्यवहार चुनते हैं तो वह जीत हासिल कर सकते हैं।

चर्चा के बिन्दुः

- बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए शिक्षा बहुत ज़रूरी है।
- माता–पिता और समुदाय के सदस्यों को ध्यान रखना चाहिये कि बच्चे स्कूल में पढ़ें और उनसे काम ना कराया जाये।
- परिवार की आय को बढ़ाने के लिए बच्चों को कक्षा छोड़ने की या स्कूल से निकल जाने की सलाह न दें।
- बाल श्रम से बच्चों की वृद्धि और विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।
- बाल श्रम को रोकने के लिए बच्चों की भूमिका।

फैसिलिटेटर (सुगमकर्ता) निम्न बातों का ध्यान रखें

- खेल के नियमों के बारे में खिलाड़ियों को समझायें और सुनिश्चित करें कि उन्हें सब समझ आ गया है।
- खेल शुरु करने से पहले खेल की सामग्री और खेलने की जगह तय कर लें।
- जगह के हिसाब से गोले बनायें। खिलाड़ियों को भी गोले बनाने में मदद करने को कहें।
- किशोरी समूह के सदस्यों को भी दंड और इनाम कार्ड बनाने में शामिल करें; उन्हें बाल श्रम और बाल विवाह पर अपने हिसाब से संदेश तैयार करने को कहें।
- खेलने के क्रम का निर्णय सुगमकर्ता और खिलाड़ी साथ मिलकर लें। जैसे कि – वह उनके नाम के पहले अक्षर को देखते हुए क्रम बनायें।
- यह सुनिश्चित करें कि हर खिलाड़ी सही तरीके से पत्थर फेंक रहा है। अगर खिलाड़ी का पत्थर गोले के बाहर या कहीं और जाये तो वह खेल के उस दौर में नहीं शामिल हो पायेंगे।
- हर खिलाड़ी को दंड/इनाम कार्ड पर लिखा हुआ संदेश ज़ोर से पढ़ने को कहिये। खिलाड़ियों को यह भी पूछने के लिए प्रोत्साहित करें कि कोई संदेश सकारात्मक (+) या नकारात्मक (–) क्यों है? लेकिन ध्यान रखें कि यह प्रक्रिया ज़्यादा देर तक न चले।
- स्कोरिंग शीट को बनाये रखें और विजेता का नाम अंत में घोषित करें।
- खिलाड़ियों को चोट न लगे, इसलिये कोशिश करें कि खेल को किसी नाजुक/कच्ची जगह पर खेलें और सीमेंट पर नहीं।

जिस जगह से हर खिलाड़ी निशाना लगाकर पत्थर फेंकेगा

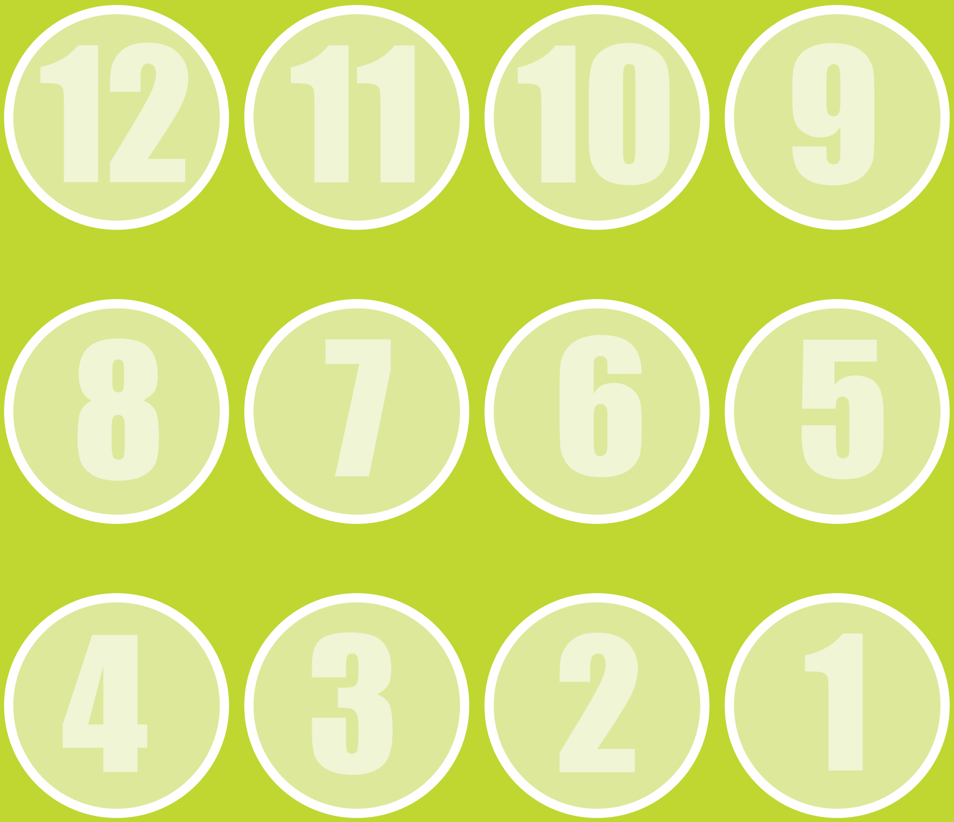

प्रारंभिक रेखा

जिस जगह से हर खिलाड़ी निशाना लगाकर पत्थर फेंकेगा

इनाम कार्ड के लिये कुछ आदर्श संदेश

क्र. सं.	संदेश	अंक
1	मैं अपने समुदाय के बच्चों को बताऊंगा/बताऊंगी कि बाल श्रम उनकी सेहत, शिक्षा और विकास के लिए हानिकारक है। मैं अपनी कारवाई के माध्यम से अपने पांच दोस्तों को स्कूल भेजने की प्रतिज्ञा लेता/लेती हूं।	50
2	मुझे पता है कि शिक्षा बहुत ज़रूरी है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि मेरे दोस्त के माता–पिता उसे स्कूल में दाखिल करें।	25
3	मेरी सबसे अच्छी सहेली के परिवार वाले उसे 15 साल की उम्र में शादी करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। किशोरी समूह के सदस्यों की मदद से मैं उसके परिवार वालों को उसकी शादी न कराने के लिए मना करूंगी।	25
4	हम बच्चों के लिए नियमित रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचों का आयोजन करेंगे ताकि वह खुद को रचनात्मक तरीके से बाल कल्याण के विषयों पर व्यक्त कर पायें।	25
5	मेरा पड़ोसी बिट्टू 3 साल का है। मैं उसकी मां से बात करके उसे पास के आंगनवाड़ी केन्द्र में भर्ती कराऊंगा।	25
6	सुमन, एक 4 साल की लड़की, प्री–स्कूल में इसलिए नहीं जा पाई क्योंकि वहां कोई आंगनवाड़ी केन्द्र नहीं है। हम किशोरी समूह के सदस्यों के पास उनकी मदद लेने के लिये जायेंगे ताकि यह विषय ग्राम प्रधान जी की देखरेख में आ जाये।	25
7	हम घर के दौरों (गृह भ्रमण) और रैलियों का आयोजन करेंगे ताकि समुदाय को शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी मिल जाये।	25
8	गोपाल का एक टीचर उसका बहुत मज़ाक उड़ाता है। हम यह समस्या किशोरी समूह और एस.एम.सी. के पास लेकर जायेंगे ताकि भविष्य में वह टीचर गोपाल के साथ–साथ प्रत्येक बच्चे से नर्मी से व्यवहार करे।	25
9	मेरे एक दोस्त ने शारीरिक दंड की वजह से स्कूल जाना बंद कर दिया है। मैं आस–पास के बच्चों, माता–पिता और अध्यापकों को इकट्ठा करूंगा ताकि हम शारीरिक दंड और स्कूलों में मारपीट पर प्रतिबंध लगा सके और मेरा वह दोस्त वापस स्कूल जाने लगे।	25
10	फसल के मौसम में मेरी सहेली सीता स्कूल नहीं आती है। अपनी टीचर और किशोरी समूह के सदस्यों की सहायता से, मैंने उसके माता–पिता को समझाऊंगी ताकि अब वह रोज स्कूल आये।	25

11	एक महीने पहले से मिड–डे–मील खराब मिलने लगा है। मैं और मेरे दो दोस्त बाकी/अन्य छात्रों की सहायता से बेहतर खाने के लिए अभियान चलायेंगे ताकि हमें सेहतमंद/पौष्टिक खाना मिल सके।	25
12	15 दिन में एक बार हम एक लिस्ट तैयार करेंगे जिसमें उन बच्चों का नाम होगा जो बीच में स्कूल छोड़ देते हैं या बाल श्रमिक होते हैं। यह जानकारी हम किशोरी समूह/एस.एम.सी को देंगे।	25
13	मैं और मेरे साथी मिलकर एक पहल करेंगे जिसके अंतर्गत हम रूचिपूर्ण सीखने की सामग्री बनायेंगे। यह सामग्री हमारे स्कूल के कार्यक्रमों पर आधारित होगी।	25
14	मेरे गांव के बहुत से लड़के स्कूल के समय पर इधर–उधर घूमते हैं। मैं उन्हें यह कह कर प्रेरित करूंगा कि अपने अच्छे भविष्य के लिये, शिक्षा बहुत जरूरी है और उन्हें स्कूल जाने के लिए भी मनाऊंगा।	25
15	मेरे दोस्त, संतोष को मुफ्त ड्रेस और किताबें मिलती हैं लेकिन उसने उन्हें लेने से मना कर दिया। हम किशोरी समूह और उसके परिवार वालों को यह बात बतायेंगे और फिर वह ग्राम प्रधान से इस विषय पर मिलेंगे।	25
16	मेरे घर में पैसों की कमी है, पर फिर भी मैं रोज़ स्कूल जाऊंगा/जाऊंगी।	25
17	मेरे दोस्त की बहन, पास के ही गांव में रहती है। उसके स्कूल में अध्यापक अक्सर क्लास नहीं लेते है। किशोरी समूह और एस.एम.सी. के सदस्यों की मदद से, मै उसे यह समस्या लेकर ग्राम प्रधान के पास जाने को कहूंगा।	25
18	मेरा स्कूल मेरे घर से दूर है। मैं सुबह जल्दी उठूंगा/उठूंगी ताकि मैं सही समय पर स्कूल पहुंच सकूं और अगर मेरी तबीयत खराब ना हो तो मैं कभी स्कूल जाना नहीं छोडूंगा/छोडूंगी।	10
19	गीता घर पर रहना और अपनी मां का हाथ बटांना पसंद करती है और स्कूल नहीं जाती है क्योंकि उसे लगता है कि उसे कुछ समझ नहीं आयेगा। हम उसे स्कूल स्टाफ से मिलवायेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उसे किसी तरह की परेशानी ना हो।	10
20	मैं यह हमेशा ध्यान रखूंगा/रखूंगी कि मैं घर जाकर अपना सारा गृह कार्य खत्म करूं।	10
21	मेरी दोस्त स्कूल में किसी चीज़ का सही से सामना नहीं कर पाती है, क्योंकि वो दो महीनों से स्कूल नहीं गई। मैं उसे घर पर पढ़ाने का जिम्मा उठाऊंगा और उसे स्कूल ना जाने की वज़ह से हुये नुकसान की भरपाई करवाऊंगा।	10

दंड कार्ड के लिये कुछ आदर्श संदेश

क्र.सं.	संदेश	अंक
1	मुझे समझ नहीं आता कि शिक्षा मुझे किस तरह से लाभ देगी। मुझे बिल्कुल पढ़ाई नहीं करनी।	–50
2	एक अध्यापक के द्वारा, मेरे एक सहपाठी का बहुत ज्यादा मज़ाक उड़ाया जाता था। मैंने उसे बचाने के लिये कुछ नहीं किया और बल्कि मैं अपने अध्यापक के साथ मिल कर उसका और मज़ाक उड़ाने लगा।	–20
3	किशोरी समूह के सदस्य मेरे घर आये थे यह पूछने कि हम स्कूल जाते हैं या नहीं। मैं और मेरा छोटा भाई स्कूल नहीं जाते लेकिन हमने उन्हें झूठ बोला और सही जानकारी नहीं दी।	–20
4	मैं स्कूल से बहुत छुट्टी मारती थी; मेरे माता–पिता मुझे स्कूल भेजना भी चाहते थे। किशोरी समूह के सदस्यों के मेरे घर आकर समझाने के बाद भी मैं स्कूल नहीं गई।	–20
5	मेरा एक सहपाठी, दो महीने तक स्कूल नहीं आ पाया। जब वो वापस आया तो उसे बहुत परेशानी हुई। मैं रोज़ स्कूल जाता था और उसकी मदद कर सकता था, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया क्योंकि मुझे नहीं लगता कि यह मेरी जिम्मेदारी है।	–10
6	मुझे पढ़ाई से बचने के लिये, शादी एक अच्छा तरीका लगता है।	–10
7	स्कूल से वापस आने के बाद, मुझे अपने पाठ को दोबारा पढ़ने का मन नहीं करता था। यह जानते हुये भी कि अगर आज ही मैं पाठ को दोबारा देख लूं, तो वह आसान हो जायेगा, मैं जाकर सो जाता था।	–10
8	तीन दिन बाद मेरी परीक्षा शुरु है। मुझे पता है कि मुझे बैठ कर पढ़ाई करनी चाहिये, लेकिन मैं एक शादी में शामिल होने के लिये अपने रिश्तेदार के घर चला/चली गई।	–10
9	मैं स्कूल इसलिये नहीं जा पाई क्योंकि मैं जल्दी–जल्दी बीमार पड़ने लगी हूं और बाकी समय मुझे घर के कामों में अपने परिवार की मदद करनी होती है।	–10
10	मैं रोज़ घर से स्कूल के लिये निकलता हूं लेकिन मेरा मन घूमने और खेलने में लग जाता है। मैं गली के बड़े लड़कों के साथ खेलने लग जाता हूं।	–10
11	मेरे सारे दोस्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते है, लेकिन मैं आलस के मारे घर पर ही बैठा रहता हूं।	–10

गतिविधि 1

बाल विवाह पर कॉमिक

लक्षित समूह:

यह गतिविधि 10–18 वर्ष तक के बच्चों (स्कूल जाने वाले/न जाने वाले) के साथ की जा सकती है। इस गतिविधि में लगभग 10–15 लोग भाग ले सकते हैं।

फैसिलिटेटर (सुगमकर्ता):

मीना मंच/किशोरियों के समूह की सदस्य और एन.जी.ओ. सहभागी।

उद्देश्य:

- चित्र द्वारा प्रतिभागियों को बाल विवाह पर, अपने विचार व्यक्त करने का मौका दें।
- प्रतिभागी बाल विवाह के मुद्दे की गहराई/गंभीरता पर चर्चा करने के लिये सक्षम हो जायें।
- प्रतिभागियों को बाल विवाह की रोकथाम के तरीकों पर मंथन करने के लिये सक्षम बनायें।

आवश्यक सामग्री:

- चित्र बनाने के लिये पेपर (A4)
- पेन/पेंसिल
- चार्ट

अवधारणा:

ग्रुप के सदस्यों को एक छोटी कहानी दी जायेगी जो रेखा चित्र के रूप में दर्शायी जा सके। हर कहानी कुछ प्रश्नों पर आकर खत्म होगी और उन पर चर्चा होगी।

खेल की प्रक्रिया:

कुसुम एक आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली होशियार छात्रा है। वो सिर्फ 14 साल की थी जब उसके माता–पिता ने उसकी शादी का फैसला किया, लेकिन वो आगे पढ़ना चाहती थी। वो जानती थी कि वो अकेले इस बारे में कुछ नहीं कर पायेगी। उसके दोस्तों को यह बातें पता चली तो वो किशोरी समूह के सदस्यों के पास गये। किशोरी समूह के सदस्यों ने कुसुम के परिवार वालों से बात की और उन्हें बाल विवाह से होने वाले नुकसानों के बारे में बताया। उन्होंने स्कूल के मुख्य अध्यापक और ग्राम प्रधान की मदद भी ली। कुसुम के माता–पिता को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने शादी करने के लिये कुछ और साल रूकने का फैसला किया।

ऊपर बतायी गयी कहानी को रेखाचित्र/कॉमिक की तरह दर्शाइये। पर पट्टी को समझाने के लिये उसके बारे में कुछ लिखा हुआ होना चाहिये। प्रतिभागी खुद अपनी कल्पना से पत्रों को दर्शा सकते हैं।

कॉमिक पट्टी 1

- एक लड़की (14 साल की) अपने स्कूल के कपड़ो में स्कूल जाने के लिये तैयार हो रही है। उसके माता–पिता उसे बताते हैं कि उसके लिये एक अच्छा रिश्ता आया है।
- वो कहती है कि उसे आगे पढ़ना है और अभी शादी नहीं करनी है।
- वो अपने दोस्तों के सामने दुखी होकर अपनी समस्या रखती है।

कॉमिक पट्टी 2

- उसके दोस्त किशोरी समूह के सदस्य के पास उसकी समस्या लेकर जाते हैं।
- किशोरी समूह के सदस्य उसके माता–पिता को समझाते हैं कि बच्चों की शादी तभी होनी चाहिये जब वह उसके लिये तैयार हों।

कॉमिक पट्टी 3

- किशोरी समूह के साथ स्कूल के मुख्य अध्यापक और ग्राम प्रधान उसके माता–पिता से बात करते हैं।
- माता–पिता आपस में बात करते है कि हम कितना बड़ा पाप करने जा रहे थे और अपनी बेटी का भविष्य भी खराब कर रहे थे।
- वो उसे पढ़ाने का फैसला लेते हैं।
- कुसुम स्कूल जाते हुये और फिर अपनी उच्च शिक्षा की तरफ जाते हुये।

अपेक्षित परिणाम:

बच्चे खुलकर अपने माता–पिता से बाल विवाह के नुकसान पर चर्चा कर पायें। समुदाय में बाल विवाह को रोकने में, वो खुद को एक अहम हिस्सा निभाते हुये भी देख पायें।

चर्चा के बिन्दु:

- क्या आपने अभी या कभी भी ऐसी ही स्थिति का अपने घरों में सामना किया है?
- बाल विवाह क्यों अच्छा नहीं है?
- शादी के लिये सही उम्र क्या है?
- अगर आप अपने आस–पास बाल विवाह होता देखें, तो आप क्या कर सकते हैं?

ऊपर दी गई कहानी के आधार पर, प्रतिभागियों को अलग विषयों पर कॉमिक पट्टी बनाने की सलाह दी जा सकती है, जैसे कि, बाल श्रम, शिक्षा का महत्व, शारीरिक दंड, सेहत या स्वास्थ्य इत्यादि। यह एक सच्ची घटना पर आधारित भी हो सकती है। विषय पर चर्चा होनी चाहिये।

फैसिलिटेटर (सुगमकर्ता) निम्न बातों का ध्यान रखें:

- खेल के नियमों के बारे में खिलाड़ियों को समझायें और सुनिश्चित करें कि उन्हें सब समझ आ गया है।
- खेल शुरु करने से पहले खेल की सामग्री और खेलने की जगह तय कर लें।
- प्रतिभागियों को खेल के उद्देश्य स्पष्ट तरीके से समझायें।
- इस गतिविधि में दी गई कहानी को आधार मानते हुये और उनके आस–पास की स्थिति के हिसाब से प्रतिभागियों को अलग विषयों पर कॉमिक पट्टी बनाने की सलाह दें, जैसे कि बाल श्रम, शिक्षा का महत्व, शारीरिक दंड, सेहत या स्वास्थ्य आदि।

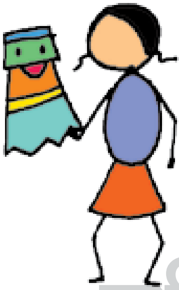

गतिविधि 2

पेपर बैग की पुतलियां

लक्षित समूह:

यह गतिविधि 10–18 वर्ष तक के बच्चों (स्कूल जाने वाले/न जाने वाले) के साथ की जा सकती है। इस गतिविधि में लगभग 10–15 लोग भाग ले सकते हैं।

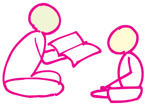

फैसिलिटेटर (सुगमकर्ता):

मीना मंच/किशोरियों के समूह की सदस्य और एनजीओ सहभागी।

उद्देश्य:

- अभिनय द्वारा प्रतिभागियों को, बाल श्रम पर अपने विचार व्यक्त करने का मौका देना।
- प्रतिभागी, बाल श्रम के मुद्दे की गहराई/गंभीरता पर चर्चा करने के लिये सक्षम हो जायें।

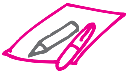

आवश्यक सामग्री:

- पेपर बैग/न्यूज़ पेपर
- धागा
- चित्र बनाने के लिये पेपर (A4)
- पेन/पेंसिल
- चार्ट

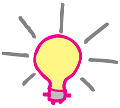

अवधारणा

ग्रुप को कुछ खुले अंत वाली कहानियां दें जिसके आखिर में कुछ प्रश्न होंगे। उन्हें यह कहानियां पुतलियों के द्वारा दर्शानी होगी। यदि अभिनय में आसानी है तो पेपर बैग प्रयोग नहीं करने का विकल्प हो सकता है।

ग्रुप को एक सबसे सही निष्कर्ष तय करना होगा। ग्रुप यह भी सोचें कि हर स्थिति में उनकी भूमिका क्या हो पायेगी और इसको लिख कर, इस पर चर्चा करें।

जब सारी कहानियां खत्म हो जायें, तब ग्रुप को एक कहानी बनानी होगी। ग्रुप के हर सदस्य को एक पात्र चुनने को कहें और वह सदस्य बाकी लोगों के सामने उसे दिखाये। हर बच्चे को अभिनय करने की जरूरत नहीं है। कुछ लोग अभिनय कर सकते हैं और कुछ लोग प्रक्रिया को सुगम बनाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन शुरु करने से पहले, हर एक की भूमिका स्पष्ट रूप से पता होनी चाहिये।

खेल की प्रक्रियाः

आपकी पड़ौसन, कमला देवी की एक चार साल की बेटी है, सुमन। कमला देवी उसे आंगनवाड़ी केन्द्र में भर्ती करवाना चाहती है लेकिन वह केन्द्र अभी चलता नहीं है। वो क्या करेगी?

- ग्राम प्रधान के पास जाकर इस विषय पर चर्चा करेगी?
- अन्य परिवार, जो इसी तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं, के साथ मिलकर सामूहिक कार्यवाही करेगी? ग्राम प्रधान से बात करके उसे और असरदार बनायेगी?
- वहां कोई आगनवाड़ी नहीं है, इसलिये कमला देवी सुमन को अपने साथ ही काम की जगह पर ले जायेगी?

जब सुमन 6 साल की हो गई, तो वो पास के सरकारी स्कूल में जाने लग गई। स्कूल जाना और शिक्षा प्राप्त करना कैसे फायदेमंद होगा?

- क्या, यह सुमन को और आगे जाकर उसकी ससुराल वालों को फायदा पहुंचायेगी?
- क्या, यह उनके जीने की मौजूदा परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं ला पायेगी?
- क्या, वह उनकी गरीबी को और बढ़ायेगी?
- क्या, कोई फायदा नहीं होगा?

गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ–साथ, सुमन को स्कूल में मुफ्त किताबें, ड्रेस और मध्यांतर भोजन (मिड–डे मील) मिलना चाहिये। पर उसका स्कूल, उसे गुणवत्ता वाली शिक्षा के अलावा सब कुछ देता है। वो ज्यादातर सिर्फ मध्यांतर भोजन के लिये स्कूल जाती है। इसके बारे में क्या करना चाहिये?

- उसके माता–पिता, एस.एम.सी. के पास जायें और इस विषय पर चर्चा करें?
- कुछ नहीं हो सकता इस बारे में, तो इसे रहने दें?
- उसको निजी स्कूल में दाखिला दिला दें?

अब सुमन 9 साल की है। उसकी अध्यापिका उसे और उसके दोस्तों को कई बार दंड देती है। उसकी एक दोस्त, जो छोटी जाति की है, उसके साथ भी बहुत भेदभाव होता है। इस बारे में क्या हो सकता है?

- सुमन को इस बारे में अपने माता–पिता से बात करनी चाहिये?
- सुमन के माता–पिता को ग्राम प्रधान और एस.एम.सी. के पास मदद के लिये जाना चाहिये?
- उसके माता–पिता को कुछ नहीं करना चाहिये क्योंकि क्या पता बाद में जाकर, सुमन की अध्यापिका उसके लिये और मुश्किलें खड़ी कर दे?

सुमन अब 10 साल की है, कुछ दिन ऐसे होते है, जब वो स्कूल के बाद अपने घरवालों की खेती के कामों में मदद करती है। फसल कटाई के मौसम में, वो एक हफ्ते के करीब तक स्कूल नहीं जाती और फिर उसे बाद में बहुत मुश्किलें होती है। उसके माता–पिता और समुदाय के सदस्यों को क्या करना चाहिये?

- बड़े लोग और ज्यादा काम कर सकते हैं।
- उसके माता–पिता को अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिये कुछ कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिये।
- कुछ करने की जरूरत नहीं है, गरीब घर के बच्चों के पास कोई और विकल्प नहीं होता। उन्हें जरूरत के समय, काम करके अपने परिवार वालो कि मदद करनी ही पड़ती है।

सुमन का कक्षा में खराब प्रदर्शन होने लगा है और उसे घर से कोई मदद नहीं मिल पा रही क्योंकि उसके माता–पिता दोनों ही अनपढ़ हैं और लगातार खेतों में काम कर रहे हैं। आप इस बारे में क्या कर सकते हैं?

- उसको काम से राहत देने की और पढ़ाई पर ध्यान देने की जरूरत है
- उसको स्कूल छोड़ कर सिर्फ अपने माता–पिता की काम में मदद करनी चाहिये।

अब, आगे क्या हो सकता है?

अपेक्षित परिणामः

ग्रुप के सदस्यों को यह पता चल जाना चाहिये कि एक बच्चा स्कूल किन कारणों की वज़ह से छोड़ता है और बाल श्रम की तरफ चला जाता है। यह उन्हें बाल श्रम को खत्म करने के लिये संभव समाधान निकालने में मदद करेगा।

सुगमकर्ता की मदद से, उन्हें यह कहानी जारी रखनी चाहिये और एक लाभदायक संदेश के साथ खत्म करनी चाहिये। (पुतलियों के द्वारा इसका अभिनय भी करें)

चर्चा के बिन्दुः

- आपके अनुसार, क्या चुनौतियां है जो बच्चे को काम करने पर मज़बूर करती हैं?
- अपने समुदाय में बाल श्रम की रोकथाम के लिये, आप कैसे अपना योगदान दे सकते हैं?

ग्रुप के सदस्यों को, समुदाय के अंदर होने वाले बाल श्रम (पूरे समय कुछ समय, मौसमी या घर पर आधारित) पर कुछ घटनायें बताने के लिये कहें, जो बाकी सदस्यों के देखने के लिये लिखी जा सकती हैं। सदस्यों को बाल श्रम के जिम्मेदार कार्यों को पहचानने को कहें और इसकी रोकथाम के लिये क्या हो सकता है, यह भी पूछें। यही प्रक्रिया, हर कहानी(जो भी बच्चें बताना चाहें), के साथ दोहराई जा सकती है।

फैसिलिटेटर (सुगमकर्ता) निम्न बातों का ध्यान रखें:

- खेल के नियमों के बारे में खिलाड़ियों को समझायें और सुनिश्चित करें कि उन्हें सब समझ आ गया है।
- खेल शुरु करने से पहले खेल की सामग्री और खेलने की जगह तय कर लें।
- प्रतिभागियों को खेल के उद्देश्य स्पष्ट तरीके से समझायें।
- इस गतिविधि में दी गई कहानी को आधार मानते हुये और उनके आस–पास की स्थिति के हिसाब से प्रतिभागियों को अलग विषयों पर पुतलियां बनाने की सलाह दें, जैसे कि बाल श्रम, शिक्षा का महत्व, शारीरिक दंड, सेहत या स्वास्थ्य आदि।

Concept and Design: New Concept Information Systems Pvt. Ltd., New Delhi

Department of Labour
Government of Uttar Pradesh
Lucknow

Supported by

unicef
unite for children